!! श्रीमन्नारायणचरणौ शरणं प्रपद्ये !!

नवतारा चक्र

ब्रजेश पाठक ज्यौतिषाचार्य

हरिहर ज्योतिर्विज्ञान संस्थान

Mob.- +91 9341014225.

नवतारा चक्र (अश्विनी नक्षत्र)

जन्म	सम्पत	विपत्	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	निधन	मित्र	अतिमित्र
अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	अश्लेषा
मघा	पू.फाल्गुनी	उ.फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा
मूल	पूर्वाषाढ़	उत्तराषाढ़	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू.भाद्रपद	उ.भाद्रपद	रेवती

नवतारा चक्र के प्रयोग हेतु कतिपय सूत्र -

- ये सभी ताराएँ नामानुरुप ही फल प्रदान करती हैं।
- जन्म, विपत्, प्रत्यरी, और निधन ताराएँ अशुभ मानी जाती हैं।
- सम्पत, क्षेम, साधक, मित्र और अतिमित्र ताराएँ शुभ मानी जाती हैं।
- अपना कोई भी शुभकार्य यदि आप अपनी शुभ तारा में करते हैं तो सफलता मिलना निश्चित है।
- अपने अशुभ तारा में किए गए कार्यों का विफल होना निश्चित है।
- अशुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी अशुभ तथा शुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी शुभ होती है।

सौजन्य – हरिहर ज्योतिर्विज्ञान संस्थान, Mob.- +91 9341014225.

नवतारा चक्र (भरणी नक्षत्र)

जन्म	सम्पत	विपत्	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	निधन	मित्र	अतिमित्र
भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	अश्लेषा	मघा
पू.फाल्गुनी	उ.फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल
पूर्वाषाढ़	उत्तराषाढ़	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू.भाद्रपद	उ.भाद्रपद	रेवती	अश्विनी

नवतारा चक्र के प्रयोग हेतु कतिपय सूत्र -

- ये सभी ताराएँ नामानुरुप ही फल प्रदान करती हैं।
- जन्म, विपत् , प्रत्यरी, और निधन ताराएँ अशुभ मानी जाती हैं।
- सम्पत, क्षेम, साधक, मित्र और अतिमित्र ताराएँ शुभ मानी जाती हैं।
- अपना कोई भी शुभकार्य यदि आप अपनी शुभ तारा में करते हैं तो सफलता मिलना निश्चित है।
- अपने अशुभ तारा में किए गए कार्यों का विफल होना निश्चित है।
- अशुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी अशुभ तथा शुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी शुभ होती है।

नवतारा चक्र (कृत्तिका नक्षत्र)

जन्म	सम्पत	विपत्	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	निधन	मित्र	अतिमित्र
कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	अश्लेषा	मघा	पू.फाल्गुनी
उ.फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़
उत्तराषाढ़	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू.भाद्रपद	उ.भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी

नवतारा चक्र के प्रयोग हेतु कतिपय सूत्र -

- ये सभी ताराएँ नामानुरुप ही फल प्रदान करती हैं।
- जन्म, विपत् , प्रत्यरी, और निधन ताराएँ अशुभ मानी जाती हैं।
- सम्पत, क्षेम, साधक, मित्र और अतिमित्र ताराएँ शुभ मानी जाती हैं।
- अपना कोई भी शुभकार्य यदि आप अपनी शुभ तारा में करते हैं तो सफलता मिलना निश्चित है।
- अपने अशुभ तारा में किए गए कार्यों का विफल होना निश्चित है।
- अशुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी अशुभ तथा शुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी शुभ होती है।

सौजन्य – हरिहर ज्योतिर्विज्ञान संस्थान, Mob.- +91 9341014225.

नवतारा चक्र (रोहिणी नक्षत्र)

जन्म	सम्पत	विपत्	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	निधन	मित्र	अतिमित्र
रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	अश्लेषा	मघा	पू.फाल्गुनी	उ.फाल्गुनी
हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़	उत्तराषाढ़
श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू.भाद्रपद	उ.भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका

नवतारा चक्र के प्रयोग हेतु कतिपय सूत्र -

- ये सभी ताराएँ नामानुरुप ही फल प्रदान करती हैं।
- जन्म, विपत् , प्रत्यरी, और निधन ताराएँ अशुभ मानी जाती हैं।
- सम्पत, क्षेम, साधक, मित्र और अतिमित्र ताराएँ शुभ मानी जाती हैं।
- अपना कोई भी शुभकार्य यदि आप अपनी शुभ तारा में करते हैं तो सफलता मिलना निश्चित है।
- अपने अशुभ तारा में किए गए कार्यों का विफल होना निश्चित है।
- अशुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी अशुभ तथा शुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी शुभ होती है।

नवतारा चक्र (मृगशिरा नक्षत्र)

जन्म	सम्पत	विपत्	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	निधन	मित्र	अतिमित्र
मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	अश्लेषा	मघा	पू.फाल्गुनी	उ.फाल्गुनी	हस्त
चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़	उत्तराषाढ़	श्रवण
धनिष्ठा	शतभिषा	पू.भाद्रपद	उ.भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी

नवतारा चक्र के प्रयोग हेतु कतिपय सूत्र -

- ये सभी ताराएँ नामानुरुप ही फल प्रदान करती हैं।
- जन्म, विपत् , प्रत्यरी, और निधन ताराएँ अशुभ मानी जाती हैं।
- सम्पत, क्षेम, साधक, मित्र और अतिमित्र ताराएँ शुभ मानी जाती हैं।
- अपना कोई भी शुभकार्य यदि आप अपनी शुभ तारा में करते हैं तो सफलता मिलना निश्चित है।
- अपने अशुभ तारा में किए गए कार्यों का विफल होना निश्चित है।
- अशुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी अशुभ तथा शुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी शुभ होती है।

सौजन्य – हरिहर ज्योतिर्विज्ञान संस्थान, Mob.- +91 9341014225.

नवतारा चक्र (आर्द्रा नक्षत्र)

जन्म	सम्पत	विपत्	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	निधन	मित्र	अतिमित्र
आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	अश्लेषा	मघा	पू.फाल्गुनी	उ.फाल्गुनी	हस्त	चित्रा
स्वाती	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़	उत्तराषाढ़	श्रवण	धनिष्ठा
शतभिषा	पू.भाद्रपद	उ.भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा

नवतारा चक्र के प्रयोग हेतु कतिपय सूत्र -

- ये सभी ताराएँ नामानुरुप ही फल प्रदान करती हैं।
- जन्म, विपत् , प्रत्यरी, और निधन ताराएँ अशुभ मानी जाती हैं।
- सम्पत, क्षेम, साधक, मित्र और अतिमित्र ताराएँ शुभ मानी जाती हैं।
- अपना कोई भी शुभकार्य यदि आप अपनी शुभ तारा में करते हैं तो सफलता मिलना निश्चित है।
- अपने अशुभ तारा में किए गए कार्यों का विफल होना निश्चित है।
- अशुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी अशुभ तथा शुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी शुभ होती है।

सौजन्य – हरिहर ज्योतिर्विज्ञान संस्थान, Mob.- +91 9341014225.

नवतारा चक्र (पुनर्वसु नक्षत्र)

जन्म	सम्पत	विपत्	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	निधन	मित्र	अतिमित्र
पुनर्वसु	पुष्य	अश्लेषा	मघा	पू.फाल्गुनी	उ.फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाती
विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़	उत्तराषाढ़	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा
पू.भाद्रपद	उ.भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा

नवतारा चक्र के प्रयोग हेतु कतिपय सूत्र -

- ये सभी ताराएँ नामानुरुप ही फल प्रदान करती हैं।
- जन्म, विपत् , प्रत्यरी, और निधन ताराएँ अशुभ मानी जाती हैं।
- सम्पत, क्षेम, साधक, मित्र और अतिमित्र ताराएँ शुभ मानी जाती हैं।
- अपना कोई भी शुभकार्य यदि आप अपनी शुभ तारा में करते हैं तो सफलता मिलना निश्चित है।
- अपने अशुभ तारा में किए गए कार्यों का विफल होना निश्चित है।
- अशुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी अशुभ तथा शुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी शुभ होती है।

सौजन्य – हरिहर ज्योतिर्विज्ञान संस्थान, Mob.- +91 9341014225.

नवतारा चक्र (पुष्य नक्षत्र)

जन्म	सम्पत	विपत्	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	निधन	मित्र	अतिमित्र
पुष्य	अश्लेषा	मघा	पू.फाल्गुनी	उ.फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा
अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़	उत्तराषाढ़	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू.भाद्रपद
उ.भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु

नवतारा चक्र के प्रयोग हेतु कतिपय सूत्र -

- ये सभी ताराएँ नामानुरुप ही फल प्रदान करती हैं।
- जन्म, विपत् , प्रत्यरी, और निधन ताराएँ अशुभ मानी जाती हैं।
- सम्पत, क्षेम, साधक, मित्र और अतिमित्र ताराएँ शुभ मानी जाती हैं।
- अपना कोई भी शुभकार्य यदि आप अपनी शुभ तारा में करते हैं तो सफलता मिलना निश्चित है।
- अपने अशुभ तारा में किए गए कार्यों का विफल होना निश्चित है।
- अशुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी अशुभ तथा शुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी शुभ होती है।

सौजन्य – हरिहर ज्योतिर्विज्ञान संस्थान, Mob.- +91 9341014225.

नवतारा चक्र (अश्लेषा नक्षत्र)

जन्म	सम्पत	विपत्	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	निधन	मित्र	अतिमित्र
अश्लेषा	मघा	पू.फाल्गुनी	उ.फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनुराधा
ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़	उत्तराषाढ़	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू.भाद्रपद	उ.भाद्रपद
रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य

नवतारा चक्र के प्रयोग हेतु कतिपय सूत्र -

- ये सभी ताराएँ नामानुरुप ही फल प्रदान करती हैं।
- जन्म, विपत् , प्रत्यरी, और निधन ताराएँ अशुभ मानी जाती हैं।
- सम्पत, क्षेम, साधक, मित्र और अतिमित्र ताराएँ शुभ मानी जाती हैं।
- अपना कोई भी शुभकार्य यदि आप अपनी शुभ तारा में करते हैं तो सफलता मिलना निश्चित है।
- अपने अशुभ तारा में किए गए कार्यों का विफल होना निश्चित है।
- अशुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी अशुभ तथा शुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी शुभ होती है।

सौजन्य – हरिहर ज्योतिर्विज्ञान संस्थान, Mob.- +91 9341014225.

नवतारा चक्र (मघा नक्षत्र)

जन्म	सम्पत	विपत्	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	निधन	मित्र	अतिमित्र
मघा	पू.फाल्गुनी	उ.फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा
मूल	पूर्वाषाढ़	उत्तराषाढ़	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू.भाद्रपद	उ.भाद्रपद	रेवती
अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	अश्लेषा

नवतारा चक्र के प्रयोग हेतु कतिपय सूत्र -

- ये सभी ताराएँ नामानुरुप ही फल प्रदान करती हैं।
- जन्म, विपत् , प्रत्यरी, और निधन ताराएँ अशुभ मानी जाती हैं।
- सम्पत, क्षेम, साधक, मित्र और अतिमित्र ताराएँ शुभ मानी जाती हैं।
- अपना कोई भी शुभकार्य यदि आप अपनी शुभ तारा में करते हैं तो सफलता मिलना निश्चित है।
- अपने अशुभ तारा में किए गए कार्यों का विफल होना निश्चित है।
- अशुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी अशुभ तथा शुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी शुभ होती है।

नवतारा चक्र (पू.फाल्गुनी नक्षत्र)

जन्म	सम्पत	विपत्	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	निधन	मित्र	अतिमित्र
पू.फाल्गुनी	उ.फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल
पूर्वाषाढ़	उत्तराषाढ़	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू.भाद्रपद	उ.भाद्रपद	रेवती	अश्विनी
भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	अश्लेषा	मघा

नवतारा चक्र के प्रयोग हेतु कतिपय सूत्र -

- ये सभी ताराएँ नामानुरुप ही फल प्रदान करती हैं।
- जन्म, विपत् , प्रत्यरी, और निधन ताराएँ अशुभ मानी जाती हैं।
- सम्पत, क्षेम, साधक, मित्र और अतिमित्र ताराएँ शुभ मानी जाती हैं।
- अपना कोई भी शुभकार्य यदि आप अपनी शुभ तारा में करते हैं तो सफलता मिलना निश्चित है।
- अपने अशुभ तारा में किए गए कार्यों का विफल होना निश्चित है।
- अशुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी अशुभ तथा शुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी शुभ होती है।

सौजन्य – हरिहर ज्योतिर्विज्ञान संस्थान, Mob.- +91 9341014225.

नवतारा चक्र (उ.फाल्गुनी नक्षत्र)

जन्म	सम्पत	विपत्	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	निधन	मित्र	अतिमित्र
उ.फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़
उत्तराषाढ़	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू.भाद्रपद	उ.भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी
कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	अश्लेषा	मघा	पू.फाल्गुनी

नवतारा चक्र के प्रयोग हेतु कतिपय सूत्र -

- ये सभी ताराएँ नामानुरुप ही फल प्रदान करती हैं।
- जन्म, विपत् , प्रत्यरी, और निधन ताराएँ अशुभ मानी जाती हैं।
- सम्पत, क्षेम, साधक, मित्र और अतिमित्र ताराएँ शुभ मानी जाती हैं।
- अपना कोई भी शुभकार्य यदि आप अपनी शुभ तारा में करते हैं तो सफलता मिलना निश्चित है।
- अपने अशुभ तारा में किए गए कार्यों का विफल होना निश्चित है।
- अशुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी अशुभ तथा शुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी शुभ होती है।

सौजन्य – हरिहर ज्योतिर्विज्ञान संस्थान, Mob.- +91 9341014225.

नवतारा चक्र (हस्त नक्षत्र)

जन्म	सम्पत	विपत्	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	निधन	मित्र	अतिमित्र
हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़	उत्तराषाढ़
श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू.भाद्रपद	उ.भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका
रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	अश्लेषा	मघा	पू.फाल्गुनी	उ.फाल्गुनी

नवतारा चक्र के प्रयोग हेतु कतिपय सूत्र -

- ये सभी ताराएँ नामानुरुप ही फल प्रदान करती हैं।
- जन्म, विपत् , प्रत्यरी, और निधन ताराएँ अशुभ मानी जाती हैं।
- सम्पत, क्षेम, साधक, मित्र और अतिमित्र ताराएँ शुभ मानी जाती हैं।
- अपना कोई भी शुभकार्य यदि आप अपनी शुभ तारा में करते हैं तो सफलता मिलना निश्चित है।
- अपने अशुभ तारा में किए गए कार्यों का विफल होना निश्चित है।
- अशुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी अशुभ तथा शुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी शुभ होती है।

नवतारा चक्र (चित्रा नक्षत्र)

जन्म	सम्पत	विपत्	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	निधन	मित्र	अतिमित्र
चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़	उत्तराषाढ़	श्रवण
धनिष्ठा	शतभिषा	पू.भाद्रपद	उ.भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी
मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	अश्लेषा	मघा	पू.फाल्गुनी	उ.फाल्गुनी	हस्त

नवतारा चक्र के प्रयोग हेतु कतिपय सूत्र -

- ये सभी ताराएँ नामानुरुप ही फल प्रदान करती हैं।
- जन्म, विपत्, प्रत्यरी, और निधन ताराएँ अशुभ मानी जाती हैं।
- सम्पत, क्षेम, साधक, मित्र और अतिमित्र ताराएँ शुभ मानी जाती हैं।
- अपना कोई भी शुभकार्य यदि आप अपनी शुभ तारा में करते हैं तो सफलता मिलना निश्चित है।
- अपने अशुभ तारा में किए गए कार्यों का विफल होना निश्चित है।
- अशुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी अशुभ तथा शुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी शुभ होती है।

नवतारा चक्र (स्वाती नक्षत्र)

जन्म	सम्पत	विपत्	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	निधन	मित्र	अतिमित्र
स्वाती	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़	उत्तराषाढ़	श्रवण	धनिष्ठा
शतभिषा	पू.भाद्रपद	उ.भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा
आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	अश्लेषा	मघा	पू.फाल्गुनी	उ.फाल्गुनी	हस्त	चित्रा

नवतारा चक्र के प्रयोग हेतु कतिपय सूत्र -

- ये सभी ताराएँ नामानुरुप ही फल प्रदान करती हैं।
- जन्म, विपत् , प्रत्यरी, और निधन ताराएँ अशुभ मानी जाती हैं।
- सम्पत, क्षेम, साधक, मित्र और अतिमित्र ताराएँ शुभ मानी जाती हैं।
- अपना कोई भी शुभकार्य यदि आप अपनी शुभ तारा में करते हैं तो सफलता मिलना निश्चित है।
- अपने अशुभ तारा में किए गए कार्यों का विफल होना निश्चित है।
- अशुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी अशुभ तथा शुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी शुभ होती है।

सौजन्य – हरिहर ज्योतिर्विज्ञान संस्थान, Mob.- +91 9341014225.

नवतारा चक्र (विशाखा नक्षत्र)

जन्म	सम्पत	विपत्	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	निधन	मित्र	अतिमित्र
विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़	उत्तराषाढ़	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा
पू.भाद्रपद	उ.भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा
पुनर्वसु	पुष्य	अश्लेषा	मघा	पू.फाल्गुनी	उ.फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाती

नवतारा चक्र के प्रयोग हेतु कतिपय सूत्र -

- ये सभी ताराएँ नामानुरुप ही फल प्रदान करती हैं।
- जन्म, विपत्, प्रत्यरी, और निधन ताराएँ अशुभ मानी जाती हैं।
- सम्पत, क्षेम, साधक, मित्र और अतिमित्र ताराएँ शुभ मानी जाती हैं।
- अपना कोई भी शुभकार्य यदि आप अपनी शुभ तारा में करते हैं तो सफलता मिलना निश्चित है।
- अपने अशुभ तारा में किए गए कार्यों का विफल होना निश्चित है।
- अशुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी अशुभ तथा शुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी शुभ होती है।

सौजन्य – हरिहर ज्योतिर्विज्ञान संस्थान, Mob.- +91 9341014225.

नवतारा चक्र (अनुराधा नक्षत्र)

जन्म	सम्पत	विपत्	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	निधन	मित्र	अतिमित्र
अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़	उत्तराषाढ़	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू.भाद्रपद
उ.भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु
पुष्य	अश्लेषा	मघा	पू.फाल्गुनी	उ.फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा

नवतारा चक्र के प्रयोग हेतु कतिपय सूत्र -

- ये सभी ताराएँ नामानुरुप ही फल प्रदान करती हैं।
- जन्म, विपत् , प्रत्यरी, और निधन ताराएँ अशुभ मानी जाती हैं।
- सम्पत, क्षेम, साधक, मित्र और अतिमित्र ताराएँ शुभ मानी जाती हैं।
- अपना कोई भी शुभकार्य यदि आप अपनी शुभ तारा में करते हैं तो सफलता मिलना निश्चित है।
- अपने अशुभ तारा में किए गए कार्यों का विफल होना निश्चित है।
- अशुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी अशुभ तथा शुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी शुभ होती है।

सौजन्य – हरिहर ज्योतिर्विज्ञान संस्थान, Mob.- +91 9341014225.

नवतारा चक्र (ज्येष्ठा नक्षत्र)

जन्म	सम्पत	विपत्	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	निधन	मित्र	अतिमित्र
ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़	उत्तराषाढ़	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू.भाद्रपद	उ.भाद्रपद
रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य
अश्लेषा	मघा	पू.फाल्गुनी	उ.फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनुराधा

नवतारा चक्र के प्रयोग हेतु कतिपय सूत्र -

- ये सभी ताराएँ नामानुरुप ही फल प्रदान करती हैं।
- जन्म, विपत् , प्रत्यरी, और निधन ताराएँ अशुभ मानी जाती हैं।
- सम्पत, क्षेम, साधक, मित्र और अतिमित्र ताराएँ शुभ मानी जाती हैं।
- अपना कोई भी शुभकार्य यदि आप अपनी शुभ तारा में करते हैं तो सफलता मिलना निश्चित है।
- अपने अशुभ तारा में किए गए कार्यों का विफल होना निश्चित है।
- अशुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी अशुभ तथा शुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी शुभ होती है।

सौजन्य – हरिहर ज्योतिर्विज्ञान संस्थान, Mob.- +91 9341014225.

नवतारा चक्र (मूल नक्षत्र)

जन्म	सम्पत	विपत्	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	निधन	मित्र	अतिमित्र
मूल	पूर्वाषाढ़	उत्तराषाढ़	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू.भाद्रपद	उ.भाद्रपद	रेवती
अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	अश्लेषा
मघा	पू.फाल्गुनी	उ.फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा

नवतारा चक्र के प्रयोग हेतु कतिपय सूत्र -

- ये सभी ताराएँ नामानुरुप ही फल प्रदान करती हैं।
- जन्म, विपत् , प्रत्यरी, और निधन ताराएँ अशुभ मानी जाती हैं।
- सम्पत, क्षेम, साधक, मित्र और अतिमित्र ताराएँ शुभ मानी जाती हैं।
- अपना कोई भी शुभकार्य यदि आप अपनी शुभ तारा में करते हैं तो सफलता मिलना निश्चित है।
- अपने अशुभ तारा में किए गए कार्यों का विफल होना निश्चित है।
- अशुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी अशुभ तथा शुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी शुभ होती है।

सौजन्य – हरिहर ज्योतिर्विज्ञान संस्थान, Mob.- +91 9341014225.

नवतारा चक्र (पूर्वाषाढ़ नक्षत्र)

जन्म	सम्पत	विपत्	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	निधन	मित्र	अतिमित्र
पूर्वाषाढ़	उत्तराषाढ़	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू.भाद्रपद	उ.भाद्रपद	रेवती	अश्विनी
भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	अश्लेषा	मघा
पू.फाल्गुनी	उ.फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल

नवतारा चक्र के प्रयोग हेतु कतिपय सूत्र -

- ये सभी ताराएँ नामानुरुप ही फल प्रदान करती हैं।
- जन्म, विपत् , प्रत्यरी, और निधन ताराएँ अशुभ मानी जाती हैं।
- सम्पत, क्षेम, साधक, मित्र और अतिमित्र ताराएँ शुभ मानी जाती हैं।
- अपना कोई भी शुभकार्य यदि आप अपनी शुभ तारा में करते हैं तो सफलता मिलना निश्चित है।
- अपने अशुभ तारा में किए गए कार्यों का विफल होना निश्चित है।
- अशुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी अशुभ तथा शुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी शुभ होती है।

नवतारा चक्र (उत्तराषाढ़ नक्षत्र)

जन्म	सम्पत	विपत्	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	निधन	मित्र	अतिमित्र
उत्तराषाढ़	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू.भाद्रपद	उ.भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी
कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	अश्लेषा	मघा	पू.फाल्गुनी
उ.फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़

नवतारा चक्र के प्रयोग हेतु कतिपय सूत्र -

- ये सभी ताराएँ नामानुरुप ही फल प्रदान करती हैं।
- जन्म, विपत् , प्रत्यरी, और निधन ताराएँ अशुभ मानी जाती हैं।
- सम्पत, क्षेम, साधक, मित्र और अतिमित्र ताराएँ शुभ मानी जाती हैं।
- अपना कोई भी शुभकार्य यदि आप अपनी शुभ तारा में करते हैं तो सफलता मिलना निश्चित है।
- अपने अशुभ तारा में किए गए कार्यों का विफल होना निश्चित है।
- अशुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी अशुभ तथा शुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी शुभ होती है।

सौजन्य – हरिहर ज्योतिर्विज्ञान संस्थान, Mob.- +91 9341014225.

नवतारा चक्र (श्रवण नक्षत्र)

जन्म	सम्पत	विपत्	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	निधन	मित्र	अतिमित्र
श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू.भाद्रपद	उ.भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका
रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	अश्लेषा	मघा	पू.फाल्गुनी	उ.फाल्गुनी
हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़	उत्तराषाढ़

नवतारा चक्र के प्रयोग हेतु कतिपय सूत्र -

- ये सभी ताराएँ नामानुरुप ही फल प्रदान करती हैं।
- जन्म, विपत् , प्रत्यरी, और निधन ताराएँ अशुभ मानी जाती हैं।
- सम्पत, क्षेम, साधक, मित्र और अतिमित्र ताराएँ शुभ मानी जाती हैं।
- अपना कोई भी शुभकार्य यदि आप अपनी शुभ तारा में करते हैं तो सफलता मिलना निश्चित है।
- अपने अशुभ तारा में किए गए कार्यों का विफल होना निश्चित है।
- अशुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी अशुभ तथा शुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी शुभ होती है।

सौजन्य – हरिहर ज्योतिर्विज्ञान संस्थान, Mob.- +91 9341014225.

नवतारा चक्र (धनिष्ठा नक्षत्र)

जन्म	सम्पत	विपत्	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	निधन	मित्र	अतिमित्र
धनिष्ठा	शतभिषा	पू.भाद्रपद	उ.भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी
मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	अश्लेषा	मघा	पू.फाल्गुनी	उ.फाल्गुनी	हस्त
चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़	उत्तराषाढ़	श्रवण

नवतारा चक्र के प्रयोग हेतु कतिपय सूत्र -

- ये सभी ताराएँ नामानुरुप ही फल प्रदान करती हैं।
- जन्म, विपत् , प्रत्यरी, और निधन ताराएँ अशुभ मानी जाती हैं।
- सम्पत, क्षेम, साधक, मित्र और अतिमित्र ताराएँ शुभ मानी जाती हैं।
- अपना कोई भी शुभकार्य यदि आप अपनी शुभ तारा में करते हैं तो सफलता मिलना निश्चित है।
- अपने अशुभ तारा में किए गए कार्यों का विफल होना निश्चित है।
- अशुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी अशुभ तथा शुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी शुभ होती है।

नवतारा चक्र (शतभिषा नक्षत्र)

जन्म	सम्पत	विपत्	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	निधन	मित्र	अतिमित्र
शतभिषा	पू.भाद्रपद	उ.भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा
आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	अश्लेषा	मघा	पू.फाल्गुनी	उ.फाल्गुनी	हस्त	चित्रा
स्वाती	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़	उत्तराषाढ़	श्रवण	धनिष्ठा

नवतारा चक्र के प्रयोग हेतु कतिपय सूत्र -

- ये सभी ताराएँ नामानुरुप ही फल प्रदान करती हैं।
- जन्म, विपत्, प्रत्यरी, और निधन ताराएँ अशुभ मानी जाती हैं।
- सम्पत, क्षेम, साधक, मित्र और अतिमित्र ताराएँ शुभ मानी जाती हैं।
- अपना कोई भी शुभकार्य यदि आप अपनी शुभ तारा में करते हैं तो सफलता मिलना निश्चित है।
- अपने अशुभ तारा में किए गए कार्यों का विफल होना निश्चित है।
- अशुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी अशुभ तथा शुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी शुभ होती है।

सौजन्य – हरिहर ज्योतिर्विज्ञान संस्थान, Mob.- +91 9341014225.

नवतारा चक्र (पू.भाद्रपद नक्षत्र)

जन्म	सम्पत	विपत्	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	निधन	मित्र	अतिमित्र
पू.भाद्रपद	उ.भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा
पुनर्वसु	पुष्य	अश्लेषा	मघा	पू.फाल्गुनी	उ.फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाती
विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़	उत्तराषाढ़	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा

नवतारा चक्र के प्रयोग हेतु कतिपय सूत्र -

- ये सभी ताराएँ नामानुरुप ही फल प्रदान करती हैं।
- जन्म, विपत् , प्रत्यरी, और निधन ताराएँ अशुभ मानी जाती हैं।
- सम्पत, क्षेम, साधक, मित्र और अतिमित्र ताराएँ शुभ मानी जाती हैं।
- अपना कोई भी शुभकार्य यदि आप अपनी शुभ तारा में करते हैं तो सफलता मिलना निश्चित है।
- अपने अशुभ तारा में किए गए कार्यों का विफल होना निश्चित है।
- अशुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी अशुभ तथा शुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी शुभ होती है।

सौजन्य – हरिहर ज्योतिर्विज्ञान संस्थान, Mob.- +91 9341014225.

नवतारा चक्र (उ.भाद्रपद नक्षत्र)

जन्म	सम्पत	विपत्	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	निधन	मित्र	अतिमित्र
उ.भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु
पुष्य	अश्लेषा	मघा	पू.फाल्गुनी	उ.फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा
अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़	उत्तराषाढ़	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू.भाद्रपद

नवतारा चक्र के प्रयोग हेतु कतिपय सूत्र -

- ये सभी ताराएँ नामानुरुप ही फल प्रदान करती हैं।
- जन्म, विपत् , प्रत्यरी, और निधन ताराएँ अशुभ मानी जाती हैं।
- सम्पत, क्षेम, साधक, मित्र और अतिमित्र ताराएँ शुभ मानी जाती हैं।
- अपना कोई भी शुभकार्य यदि आप अपनी शुभ तारा में करते हैं तो सफलता मिलना निश्चित है।
- अपने अशुभ तारा में किए गए कार्यों का विफल होना निश्चित है।
- अशुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी अशुभ तथा शुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी शुभ होती है।

नवतारा चक्र (रेवती नक्षत्र)

जन्म	सम्पत	विपत्	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	निधन	मित्र	अतिमित्र
रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य
अश्लेषा	मघा	पू.फाल्गुनी	उ.फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनुराधा
ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़	उत्तराषाढ़	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू.भाद्रपद	उ.भाद्रपद

नवतारा चक्र के प्रयोग हेतु कतिपय सूत्र -

- ये सभी ताराएँ नामानुरुप ही फल प्रदान करती हैं।
- जन्म, विपत्, प्रत्यरी, और निधन ताराएँ अशुभ मानी जाती हैं।
- सम्पत, क्षेम, साधक, मित्र और अतिमित्र ताराएँ शुभ मानी जाती हैं।
- अपना कोई भी शुभकार्य यदि आप अपनी शुभ तारा में करते हैं तो सफलता मिलना निश्चित है।
- अपने अशुभ तारा में किए गए कार्यों का विफल होना निश्चित है।
- अशुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी अशुभ तथा शुभ ताराओं के विंशोत्तरी दशेश की दशा भी शुभ होती है।

सौजन्य – हरिहर ज्योतिर्विज्ञान संस्थान, Mob.- +91 9341014225.